वन विज्ञान केंद्र, जबलपुर के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(दि. 27 अगस्त, 2014)

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत वन विज्ञान केंद्र, जबलपुर के तत्वाधान में वन रोपणियों तथा वृक्षारोपण के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबंन्धन, विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम दि. 27 अगस्त, 2014 को कार्यालय मु.व.सं., अनु. एवं वि., जबलपुर में आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम के कार्यक्रम संयोजक संयुक्त रूप से श्री शंखवार, नोड्ल अधिकारी, वन विज्ञान केंद्र म.प्र. व मु.व.स., अनु. एवं विस्तार वृत, जबलपुर तथा डा. नितिन कुळकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं.. डा. सुश्री ममता पुरोहित, अनु. अधिकारी, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., जबलपुर नें सह-संयोजक के रूप में अपना योगदान दिया। इसमें विभिन्न जिलों के कृषक, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वःसहायता समूह के सदस्य, वन विभाग के कर्मचारी तथा मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा चयनित वन दूतों सहित कुल 82 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

उद् घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्री शंखवार, नें सभी प्रशिक्षणार्थियों व विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए इस प्रकार के अन्य प्रशिक्षणों की आवश्यकता पर जोर दिया। डा. नितिन कुळकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं. नें जानकारी देते हुए बताया कि वन विज्ञान केंद्र, जबलपुर के अंतर्गत माह सितंबर में ही इसी प्रकार के तीन अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न विषयों पर आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम में वन रोपणियों में लगने वाले कीटों का समंवित प्रबंधन (विशेषज्ञ – डा. एन. कुळकर्णी), वृक्षारोपणों में लगनें वाले कीटों का समन्वित प्रबंधन (विशेषज्ञ – डा. एन. रायचौधरी), औषधिय पौधों पर लगनें वाले कीटों का समन्वित प्रबंधन (विशेषज्ञ – डा. पी. बी. मेश्राम), वन रोपणियों के रोग (विशेषज्ञ – डा. आर. क़े. वर्मा) तथा काश्ठागारों में लगनें वाले रोगों से निदान के उपाय (विशेषज्ञ – डा. आर. के. वर्मा), व साल छेदक कीट व उसके प्रबंधन के उपायों की जानकारी (विशेषज्ञ – डा. एन. रायचौधरी) विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़ कर चर्चा में भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षार्थियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करनें तथा लिखित रूप से फीड़-बैक (Feed back) प्रस्तुत करनें से हुआ। अंत में श्री हरीश सोनी, सहायक वन संरक्षक, अनु. एवं वि. वृत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

यह प्रतिवेदन और इसकी समस्त सामग्री संस्थान के वन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष द्वारा वेब साइट पर अपलोड करने हेतु प्रदान की गई है।

View of Inaugural function of the Training Programme

यह प्रतिवेदन और इसकी समस्त सामग्री संस्थान के वन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष द्वारा वेब साइट पर अपलोड करने हेतु प्रदान की गई है।

यह प्रतिवेदन और इसकी समस्त सामग्री संस्थान के वन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष द्वारा वेब साइट पर अपलोड करने हेतु प्रदान की गई है।